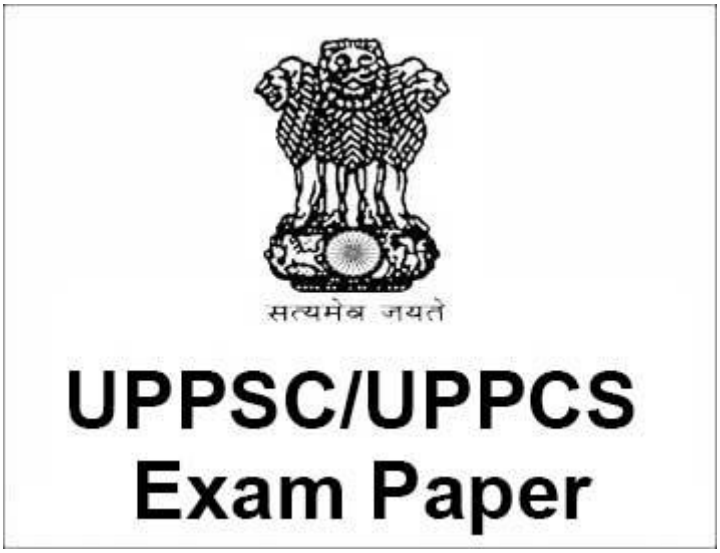

यूपीपीएससी – यूपीपीसीएस

मुख्य परीक्षा 2020

वैकल्पिक विषय

प्रश्न पत्र

"संस्कृत साहित्य द्वितीय प्रश्न पत्र"

परीक्षा तिथि: 25th जनवरी 2020

No. of Printed Pages : 4

Serial No. 5066281

PSL – 34/20-Paper-II

संस्कृत साहित्य (प्रश्न–पत्र – II)

SANSKRIT LITERATURE (PAPER – II)

निर्धारित समय : तीन घंटे] [अधिकतम अंक : 200

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 200

विशेष अनुदेश : (i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अङ्कित हैं।

Specific Instructions : (i) Attempt any five questions.
(ii) Marks allotted to each question are indicated against it.

खण्ड – अ/SECTION – A

1. अधोलिखित में किन्हीं दो की संस्कृत में व्याख्या कीजिए तथा सभी रेखाङ्कित पदों का विग्रहपूर्वक समास निर्धारित कीजिए। (20+20=40)
Explain any two of the following in Sanskrit and expound and name the compound in all underlined words.

(a) अनेकराजन्यरथाश्वसङ्कुलं
तदीयमस्थाननिकेतनाजिरम्।
नयत्ययुग्मच्छदगन्धिरार्द्रतां
भृशं नृपोपायनदन्तिनां मदः।

(b) धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपातः क्व मेघः
सन्देशार्थाः क्व पटुकरणैः प्राणिभिः प्रापणीयाः।
इत्यौत्सुक्यादपरिगणयन् गुह्यकस्तं ययाचे
कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाश्चेतनेषु।

(c) सन्तप्तायसि संस्थितस्य पयसो नामापि न ज्ञायते
मुक्ताकारतया तदेव नलिनीपत्रस्थितं राजते।
स्वातौसागरशुक्तिकुक्षिपतितं तज्ज्ञायते मौक्तिकं
प्रायेणाधममध्यमोत्तमगुणः संवासतो जायते।।

Downloaded from: http://studymarathon.com/

(d) यस्मिन्ननवरतधर्मकर्मोपदेशः शान्तसमस्तव्याधिव्यतिकराः पुरुषायुषजीविन्यः सकलसंसारसुखभाजः प्रजाः। तथाहि कुष्ठयोगः गन्धिकापणेषु, स्फोटप्रवादो वैयाकरणेषु, सन्निपातस्तालेषु ग्रहसंक्रान्तिर्ज्योतिः शास्त्रेषु, भूतविकारवादः सांख्येषु क्षयस्तिथिषु, गलग्रहो मत्स्येषु, गण्डकोत्थानं पर्वतवनभूमिषु दृश्यते न प्रजासु।

खण्ड – ब/SECTION - B

2. निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।
Translate the following verses into Hindi or English.

(a) सङ्कल्पितं प्रथममेव मया तवार्थे 15
भर्तारमात्मसदृशं सुकृतैर्गतात्वम्।
चूतेन संश्रितवती नवमालिकेय–
मस्यामहं त्वयिच सम्प्रति वीतचिन्तः।

अथवा/OR

आश्चोतनं नु हरिचन्दनपल्लवानां
निष्पीडितेन्दुकरकन्दलजो नु सेकः।
आतप्तजीवितपुनः परितर्पणोऽयं
सञ्जीवनौषधिरसो नु हृदि प्रसिक्तः।।

(b) निवासश्चिन्तायाः परपरिभवं वैरमपरं 15
जुगुप्सा मित्राणां स्वजनजनविद्वेषकरणम्।
वनं गन्तुं बुद्धिर्भवति च कलत्रात्परिभवो
हृदिस्थः शोकाग्निर्नचदहति सन्तापयति च।

अथवा/OR

यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कण्ठः स्तम्भितबाष्पवृत्ति कलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैकलव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं न तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः।।

Downloaded from: http://studymarathon.com/

(c) यदि न सहसे राज्ञो मोहं धनुः स्पृश मा दया 10
स्वजननिभृतः सर्वोऽप्येवं मृदुः परिभूयते।
अथ न रुचितं मुञ्चत्वामहं कृतनिश्चयो
युवतिरहितं लोकं कर्तुं यतश्चदिता वयम्।।

अथवा/OR

सूर्य इव गतो रामः सूर्य दिवसइव लक्ष्मणोऽनुगतः।
सूर्यदिवसावसाने छायेव न दृश्यते सीता।।

3. निम्नलिखित पर लघु निबन्ध लिखिए।
Write short essay on the following.

(a) काव्येषु नाटकं रम्यं नाटकेषु शकुन्तला। तत्राऽपि चतुर्थोऽङ्कः तत्रश्लोकचतुष्टयम्।। 15
Highlight the fourth act of Abhijnana Shakuntalam.

(b) मृच्छकटिकम् नाटक के प्रथम अङ्क का क्या महत्व है ? मृच्छकटिकम् नाटक के प्रथम अङ्क का सारांश लिखिए। 15
What is the importance of Mrichchhkatikam Act first ? Write a summary of the first act of Mrichchhkatikam.

(c) शिवराजविजय प्रथमनिश्वास का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 10
Write the short note of Shivrajvijai Pratham Nishwas in your own words.

खण्ड – क/SECTION – C

4. अधोलिखित पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए।
Write short notes on the following.

(a) विष्कम्भक 15

(b) पञ्च सन्धियाँ 15

(c) अर्थप्रकृतियाँ 10

5. निम्नलिखित को उदाहरणसहित परिभाषित करते हुए उनकी प्रमुख विशेषताओं पर स्पष्ट टिप्पणी लिखिए।
Define the following with examples and clear their special characteristics.

(a) खण्डकाव्य 15

(b) नाटक 15

Downloaded from: http://studymarathon.com/

खण्ड – ड/SECTION – D

6. (a) संस्कृत गद्य काव्य के उद्भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिए तथा 5 गद्य काव्यों के नाम लिखिए। 15
Write an essay on origin and growth of Sanskrit Gadya Kavy. Write any five name of Gadya Kavy.

(b) निम्नलिखित वेदाङ्गों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 15
Write down a short notes on the following Vedangas.
(i) शिक्षा
(ii) कल्प
(iii) निरुक्त

(c) रामायण संस्कृत का पहला शास्त्रीय महाकाव्य है। सिद्ध कीजिए। 10
Ramayan is the first Classical Epic in the Sanskrit. Prove it.

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।
Write short notes on the following.
(a) हितोपदेश 15
(b) श्रीहर्ष 15
(c) नाटककार भास 10

खण्ड – इ/SECTION – E

8. अधोलिखित का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 40
Translate the following into **Sanskrit.**

गङ्गा-तट पर एक साधु रहता था। उसकी त्याग-तपस्या से वहाँ के लोग धीरे-धीरे प्रभावित हो गए। वह प्रतिदिन सायंकाल कभी रामायण की कथा कभी श्रीमद्भागवत की कथा सुनाता था। वहाँ कोई रहने का स्थान नहीं था। पेड़ की छाया में ही बैठकर उपदेश देता था। धीरे-धीरे लोगों की भीड़ इकट्ठी होने लगी। लोग आकर उससे जब यह कहते कि समीप में हमारा घर है आप वहाँ चलकर रहिए। वहीं खाना-आपको मिला करेगा। उसको बस्ती में रहना पसन्द नहीं था।

अथवा/OR

विद्यार्थी जीवन एक कठिन साधना का समय होता है। यदि सचमुच सफलता की प्राप्ति नहीं होती तो अवश्य उसमें कुछ न कुछ कमी रहती है। नियमित रूप से पठन-पाठन, पुनरावृत्ति, लेखनकार्य, पुनः आत्मनिरीक्षण तथा योग्यजन सानिध्य से सफलता की प्राप्ति होती है। यह दिनचर्या नियमित रूप से चलती रहनी चाहिए। स्पष्ट तथा सुलेख से अच्छे अङ्क मिलते हैं। सम्बन्धित विषय को सार्थक रूप से लिखना चाहिए। शब्द-जाल फैलाने से कुछ लाभ नहीं होता।

Downloaded from: http://studymarathon.com/